

- **नर्सिंग घोटाला: हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी**
- **सीबीआई जांच से भाग रहे कॉलेजों की याचिकाएं खारिज**
- **स्थानांतरित 2,395 छात्रों के परिणाम घोषित करने के आदेश**

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने राज्य के बहुचर्चित नर्सिंग घोटाले से जुड़ी जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए बेहद महत्वपूर्ण व सख्त आदेश जारी किया है। कोर्ट ने उन नर्सिंग संस्थानों और उनके छात्रों को किसी भी प्रकार की राहत देने से स्पष्ट इनकार कर दिया जो सीबीआई जांच से बच रहे हैं। जस्टिस आनंद पाठक व जस्टिस बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच ने तल्लख टिप्पणी करते हुए कहा कि ये संस्थान शिक्षा देने के बजाय वस्तुतः कमर्शियल दुकानों की तरह चलाए जा रहे हैं। बिना फैकल्टी और बिना इंफ्रास्ट्रक्चर बिना प्रैक्टिकल के डिग्रियां बांटने को अदालत ने जनसामान्य व मरीजों के स्वास्थ्य के साथ



बड़ा खिलवाड़ माना। कोर्ट द्वारा बार-बार पूछे जाने पर भी जब किसी कॉलेज ने सीबीआई जांच का सामना करने की रजामंदी नहीं दी, तो अदालत ने परिणाम घोषित करने और अगली कक्षा में प्रवेश की मांग वाली सभी अंतरिम याचिकाओं को खारिज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामले का अटका पेंच, 26 अगस्त अगली तारीख

प्रमोशन में आरक्षण मामले की हाईकोर्ट में नहीं हुई सुनवाई

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में बहुचर्चित प्रमोशन में आरक्षण के मामले की सुनवाई मंगलवार को फिर नहीं हो सकी। जस्टिस विनय सराफ व जस्टिस विवेक अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने सुप्रीम कोर्ट में लंबित एसएलपी की आगामी 20 अगस्त को होने वाली सुनवाई के कारण मामले में आगे की सुनवाई नही की। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 26

अगस्त तय की। विगत सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पूछा था कि वर्ष 2025 के नए प्रमोशन नियम लागू करने से पहले सुप्रीम कोर्ट से अनुमति ली गई थी या नहीं? राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन ने बताया था कि कई राज्यों से जुड़ी याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि विरोधाभासी फैसलों से

बचने के लिए राज्य सरकार और याचिकाकर्ता मिलकर सुप्रीम कोर्ट में जल्द सुनवाई का संयुक्त आवेदन लगाए। सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला आने के बाद ही वर्ष 2025 के नियमों की वैधता और 2016 के बाद की पदोन्नतियों की स्थिति तय होगी। बचने के दौरान सामान्य वर्ग की ओर से कई अहम मुद्दे उठाए गए थे। तर्क दिया

गया था कि कई विभागों में आरक्षित वर्ग का प्रतिनिधित्व पहले से पूरा होने के बावजूद प्रमोशन में आरक्षण दिया जा रहा है। मेरिट के आधार पर चयनित आरक्षित कर्मचारियों को प्रमोशन के समय दोबारा पिछड़े वर्गों की सूची में शामिल करने से संतुलन प्रभावित हो रहा है। सुनवाई में जरनेल सिंह और एम. नागराज मामलों के फैसलों का भी हवाला दिया गया था।

सिविल लाइन और बेलखेड़ा टीआई लाइन अटैच, राशि सिविल लाइन अनिल बेलखेड़ा और उमेश यादव को सौपी मदन महल थाना की कमान

कानून व्यवस्था में कसावट थाना प्रभारियों की नई तैनाती

हरिभूमि, जबलपुर।

जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय ने थाना प्रभारियों के तबादले किए हैं। फेरबदल में कुछ थाना प्रभारियों को नई जिम्मेदारी दी गई है, जबकि दो थाना प्रभारियों को लाइन अटैच किया गया है। पुलिस कप्तान के इस कदम को थानों की कार्यप्रणाली में कसावट लाने



और अपराध नियंत्रण को मजबूत करने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है। आदेश के तहत सिविल लाइन थाना प्रभारी स्वप्निल दास और बेलखेड़ा थाना प्रभारी

धन्य सिंह को लाइन अटैच किया गया है। वहीं यातायात थाना प्रभारी शशि धुर्वे को सिविल लाइन थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह पुलिस लाइन में तैनात उमेश यादव को मदन महल थाना प्रभारी की कमान सौंपी गई है। वहीं धीरज राज को विजय नगर थाना प्रभारी बनाया गया है। विजय नगर थाना प्रभारी अनिल पटेल को बेलखेड़ा थाने की कमान सौंपी गई है।

अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग पर फोकस

पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय लगातार थाना स्तर पर पुलिसिंग को बेहतर बनाने, लंबित मामलों के निराकरण, अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई और आमजन की शिकायतों के त्वरित समाधान पर जोर दे रहे हैं। इसी क्रम में किए गए इस फेरबदल से संबंधित थाना क्षेत्रों में कानून व्यवस्था और पुलिसिंग को और मजबूत करने की उम्मीद है। नई जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारियों के सामने अपराध नियंत्रण के साथ-साथ जनता के बीच पुलिस की बेहतर छवि कायम करने की चुनौती भी रहेगी।

उसकेल में गंदे कपड़े, कम उपस्थिति और खराब मध्यान्ह भोजन मिला

औचक निरीक्षण में खुली स्कूलों की व्यवस्थाओं की पोल, शिक्षकों को नोटिस

जबलपुर। लोक शिक्षण जबलपुर संभाग के संयुक्त संचालक घनश्याम सोनी के दो दिवसीय औचक निरीक्षण में जिले के सरकारी स्कूलों और छात्रावासों की व्यवस्थाओं की हकीकत सामने आई। निरीक्षण के दौरान कहीं विद्यार्थियों की कम उपस्थिति मिली तो कहीं शैक्षणिक स्तर और स्वच्छता व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाई गई। गंभीर लापरवाही सामने आने पर संबंधित शिक्षकों, जनशिक्षकों, बीआरसी और जिला परियोजना समन्वयक को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा गया है। गत दिवस को संयुक्त संचालक ने बैहर और बिरसा विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों व छात्रावासों का निरीक्षण किया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाथरी में 204 दर्ज विद्यार्थियों में से केवल 106 विद्यार्थी उपस्थित मिले। इस पर उन्होंने अनुपस्थित विद्यार्थियों के अभिभावकों से संपर्क कर उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उसकेल स्कूल में मिली गंभीर कमियां

शासकीय प्राथमिक शाला उसकेल, विकासखंड बिरसा में निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाएं बेहद असंतोषजनक मिलीं। मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता ठीक नहीं थी, विद्यार्थियों के कपड़े अत्यंत मैले और अस्वच्छ पाए गए तथा बच्चों की उपस्थिति भी बहुत कम थी। शिक्षकों का शैक्षणिक कार्य भी अपेक्षित स्तर का नहीं मिला।

मामले को गंभीरता से लेते हुए संयुक्त संचालक ने संबंधित शिक्षकों, जनशिक्षकों, बीआरसी तथा जिला परियोजना समन्वयक, बालघाट को कारण बताओ नोटिस जारी किया। तीन दिन में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

बिरसा मॉडल स्कूल की व्यवस्था संतोषजनक

इसके विपरीत शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा की शैक्षणिक एवं अन्य व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं। संयुक्त संचालक ने विद्यालय में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए व्यवस्थाओं को इसी तरह बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

छात्रावासों में सफाई और भोजन पर जोर

मॉडल बालक छात्रावास, कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास और मॉडल बालिका छात्रावास बैहर में भोजन, पेयजल और साफ-सफाई की स्थिति का

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

संयुक्त संचालक घनश्याम सोनी ने कहा कि विद्यालय बच्चों के भविष्य निर्माण का केंद्र हैं। हर शिक्षक की जिम्मेदारी है कि विद्यालय आने वाला प्रत्येक बच्चा नियमित रूप से पढ़े, समझे और सीखने में आगे बढ़े। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों की कम उपस्थिति, कमजोर शैक्षणिक स्तर, अस्वच्छता तथा भोजन-पेयजल की गुणवत्ता में लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। अधिकारियों को स्कूलों और छात्रावासों की नियमित निगरानी कर कमियां मिलने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।



जायजा लिया गया। सोनी ने पानी की टंकियों की नियमित सफाई तथा भोजन और पेयजल की गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

घुमर स्कूल में बच्चों के पास नहीं मिली पुस्तकें

18 अगस्त को बिरसा विकासखंड की प्राथमिक शाला घुमर और हरटोला का निरीक्षण किया गया। घुमर में शैक्षणिक व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिली। विद्यार्थियों ने बताया कि उन्हें पुस्तकें प्राप्त नहीं हुई हैं। कई विद्यार्थी अपेक्षित स्तर पर पुस्तक पढ़ने में भी सक्षम नहीं पाए गए। संयुक्त संचालक ने शिक्षकों को बच्चों की बुनियादी शैक्षणिक दक्षताओं, पठन-पाठन और समझ विकसित करने पर विशेष ध्यान देने तथा प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की प्रगति का नियमित आकलन करने के निर्देश दिए। हरटोला में उन्होंने विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर पढ़ाई और विद्यालयीन अनुभवों की जानकारी ली। बच्चों को व्यक्तिगत स्वच्छता और साफ-सफाई का महत्व बताया तथा उपस्थित विद्यार्थियों को चॉकलेट वितरित की।

ट्रेन में यात्रियों के मोबाइल चोरी करने वाले को टीटीई ने दबोचा

जबलपुर। गाड़ी संख्या 20471 में सोगरिया (कोटा) से कटनी गुड़वारा के बीच सफर कर रहे यात्रियों के चार मोबाइल फोन चोरी होने की घटना से हड़कंप मच गया। यात्रियों की शिकायत के बाद टीटीई स्टॉफ ने निगरानी करते हुए सख्ति आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी में उसके कब्जे से चोरी किए गए चारो मोबाइल फोन बरामद कर लिए गए। जानकारी के अनुसार चोरी की घटनाएं ट्रेन के अलग-अलग कोचों में हुई। यात्रियों के मोबाइल एस6-77, एस5-50, एस5-31 और एस4-23 से चोरी किए गए थे। घटना की जानकारी मिलते ही टीटीई मनीष कुमार गुप्ता ने ओबीएस स्टॉफ और एम। अर्टडे ट पवन के सहयोग से सख्ति की तलाश शुरू की। कुछ ही देर में सख्ति को पकड़ लिया गया और तलाशी लेने पर चारों मोबाइल उसके पास से मिल गए। मोबाइल बरामद होने के बाद यात्रियों में आक्रोश फैल गया और कुछ सहायता आरोपी की पिटाई करने पर उत्तारू हो गए। स्थिति बिगड़ती देख टीटीआई मनीष कुमार गुप्ता ने हस्तक्षेप कर आरोपी को भीड़ से सुरक्षित निकाला। इसके बाद उसे सुरक्षित रूप से जीआरपी थाना गुना के सुपुर्द कर दिया गया।

अधिकारी मैदान में उतरे, शुद्धता का लिया जायजा

जबलपुर। यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेलवे बोर्ड के निर्देश पर रेलवे बोर्ड के निर्देश पर रेलवे स्टेशन पर व्यापक पेयजल गुणवत्ता जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान स्टेशन परिसर में यात्रियों के लिए उपलब्ध पेयजल स्रोतों की जांच के साथ पानी की शुद्धता और स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया गया। पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक एवं मुख्य चिकित्सा अधिकक डॉ. शैलेन्द्र दक्षिण के निर्देशन में स्वास्थ और अभियांत्रिकी विभाग की संयुक्त टीम ने



स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया। टीम ने विभिन्न जल शीतलक यंत्रों और जल स्टैंड से पानी के नमूने लिए, जिन्हें आवश्यक जांच के लिए भेजा गया। मौके पर पानी में अवशिष्ट मुक्त क्लोरीन और घुले हुए ठोस पदार्थों की मात्रा की भी जांच की गई। इसके अलावा स्टेशन परिसर में स्थित जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण कर पानी

के शोधन और आपूर्ति व्यवस्था की कार्यप्रणाली देखी गई। अधिकारियों ने पानी के स्रोतों, शोधन व्यवस्था, संबंधित उपकरणों की स्वच्छता और रखरखाव की स्थिति भी जांची। यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो और उन्हें सुरक्षित पेयजल उपलब्ध रहे, इसके लिए व्यवस्था को लगातार बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

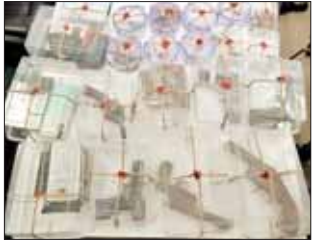
कुरख्यात गैंगस्टर छोटू चौबे के पिता शेखर चौबे के मकान में काट रहा था फरारी, गैंग के लिए हथियारों की खरीद-फरोख्त का खुलासा



हरिभूमि, जबलपुर।

माढ़ोताल में अनिराज नायडू की सनसनीखेज हत्या और ग्वारीघाट थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे 35 वर्षीय ईनामी आरोपी शेख आदिल को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे और निशानदेही पर भारी मात्रा में अवैध हथियार, कारतूस और मोबाइल बरामद किए हैं। पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित पत्रकारवार्ता में एसपी सिटी आशुष जाखड़ ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने कुख्यात बदमाश छोटू चौबे उर्फ सुयश चौबे तथा बाबू सिंधी के गैंग से जुड़े होने और हथियारों की खरीद-फरोख्त में सक्रिय भूमिका की जानकारी दी है।

फरार ईनामी शूटर शेख आदिल गिरफ्तार, हथियारों का जखीरा बरामद



छोटू चौबे के पिता के मकान में मिली पनाह

एसपी जाखड़ ने बताया कि सोमवार रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि माढ़ोताल के अपराध क्रमांक 903/2023 में हत्या और ग्वारीघाट के अपराध क्रमांक 365/23 में हत्या के प्रयास का फरार ईनामी आरोपी शेख आदिल लार्डगंज थाना क्षेत्र की भूलन बस्ती स्थित एक मकान में छिपा है। क्राइम ब्रांच ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। तलाशी में उसकी कमर से एक देशी पिस्टल और चार कारतूस मिले। पूछताछ में आदिल ने बताया कि कुख्यात बदमाश छोटू चौबे के पिता शेखर चौबे ने उसे अपने मकान में फरारी काटने के लिए पनाह दी थी। इसी मकान में अन्य हथियार भी रखे गए थे।

छोटू-बाबू सिंधी गैंग के लिए हथियारों का कारोबार

एसपी जाखड़ के मुताबिक शेख आदिल छोटू चौबे और बाबू सिंधी गैंग का सक्रिय सदस्य है। पूछताछ में उसने हथियारों को बिक्री के लिए रखने और बेचने तथा रकम बाबू सिंधी तक पहुंचाने की बात स्वीकार की। उसने यह भी बताया कि छोटू चौबे के कहने पर अनिराज नायडू की हत्या की गई तथा रतन यादव पर गोली चलाने वाले युवकों को हथियार और कारतूस उपलब्ध कराने में भी उसकी भूमिका रही।

पिस्टल से लेकर कट्टे तक बरामद

आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने दो देशी पिस्टल, एक रिवॉल्वर, तीन कट्टे, दो एसरगन, तलवार, बका, चाकू, नौ खाली मैगजिन, 50 कारतूस और 68 फायर किए हुए खाली खोखे बरामद किए। इसके अलावा 23 मोबाइल फोन और आरोपी का पासपोर्ट भी मिला।

एनएसए में जेल में सजा भुगत रहा छोटू

पुलिस ने शेख आदिल सहित शेखर चौबे, सुयश उर्फ छोटू चौबे और बाबू सिंधी के खिलाफ अर्म्स एक्ट की धाराओं में कार्रवाई शुरू की है। गौरतलब है कि छोटू चौबे को आपराधिक गतिविधियों के चलते करीब दो माह पूर्व (एनएसए) के तहत गिरफ्तार कर केंद्रीय जेल जबलपुर में निरुद्ध किया गया था।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

हत्या व हत्या के प्रयास के प्रकरणों में फरार आरोपी को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में अवैध हथियार प्राप्त करने में टीआई अपराध डीएसपी शैलेष मिश्र के निदेशन में अपराध थाना के एसआई प्रभाकर सिंह, एसएसआई अशोक मिश्रा, प्रभांत सोलंकी, संतोष पाण्डे, प्रधान आरक्षक मनोष सिंह, सुरेन्द्र यादव, आरक्षक प्रीतम उपाध्याय, शिव सिंह, अर्जीत कुमार, सत्येन्द्र बिसेन, सुरेश परिहार, इंद्रजीत, संतोष शाह, राजेश मिश्रा, राजेश मजि, आशुतोष की सराहनीय भूमिका रही।

मनोनीत अधिकारियों ने न स्थल निरीक्षण किया, न रिपोर्ट दी

नालियों से गुजर रही पेयजल पाइपलाइन की जांच में लापरवाही, एनजीटी सख्त

स्पष्टीकरण लेकर अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश

जबलपुर। नालियों से होकर गुजर रही पेयजल पाइपलाइन की जांच के लिए गठित समिति में मनोनीत अधिकारियों द्वारा स्थल निरीक्षण नहीं करने और रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करने को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने गंभीरता से लिया है। ट्रिब्यूनल ने जबलपुर कलेक्टर और नगर निगम को निर्देश दिए हैं कि संबंधित अधिकारियों के स्थान पर अन्य सक्षम अधिकारियों को तत्काल मनोनीत किया जाए। साथ ही, जिन अधिकारियों ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पत्रों और बार-बार किए गए संपर्क के बावजूद कार्रवाई नहीं की, उनसे स्पष्टीकरण लेकर आवश्यक

एनजीटी की सेंट्रल जोन बेंच भोपाल के न्यायिक सदस्य एसके सिंह व एक्सपर्ट मेंबर सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने डा. पीजी नाजपांडे व अन्य विरुद्ध यूनियन आफ इंडिया व अन्य में यह आदेश पारित किया। सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से बताया गया कि समिति के सदस्यों को स्थल निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए विभिन्न पत्रों के माध्यम से सूचित किया गया था। इसके बावजूद संबंधित अधिकारियों ने न तो जवाब दिया और न ही स्थल निरीक्षण के लिए उपस्थित हुए। बार-बार फोन किए जाने के बाद भी उन्होंने काल का जवाब देना बंद कर दिया।

30 दिन में देनी होगी रिपोर्ट

ट्रिब्यूनल ने निर्देश दिया कि कलेक्टर जबलपुर और जबलपुर नगर निगम तत्काल अन्य सक्षम अधिकारियों को नामित करें। ये अधिकारी राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ समन्वय कर संबंधित स्थल का निरीक्षण करेंगे और 30 दिनों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। ट्रिब्यूनल ने राज्य सरकार के अधिवक्ता को आदेश की जानकारी कलेक्टर व नगर निगम तक तत्काल पहुंचाने के निर्देश भी दिए हैं।

एनजीओ की आड में किडनी ट्रांसप्लांट के नाम पर 22 लाख की धोखाधड़ी

जेएनएफसी कोर्ट ने निरस्त की कटक निवासी आरोपित की जमानत अर्जी

जबलपुर। जिला अदालत ने एनजीओ की आड में किडनी ट्रांसप्लांट के नाम पर 22 लाख की धोखाधड़ी के आरोपित ओडिशा अंतर्गत कटक निवासी जयंत साहू को जमानत देने से मना कर दिया।प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी मंजुल सिंह की कोर्ट ने आरोपी की अर्जी निरस्त कर दी। उसे विजय नगर, जबलपुर की पुलिस कटक से गिरफ्तार कर जबलपुर लाई थी। जिसके बाद से वह जेल में बंद है। आपत्तिकर्ता विजय नगर, लमतौ, जबलपुर निवासी महेश परियानी की ओर से

अधिवक्ता अशोक जायसवाल, रजनीश जायसवाल व कपिल रमानी ने जमानत का विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि आपत्तिकर्ता की पत्नी बीमार थी। किडनी ट्रांसप्लांट के लिए परेशान था। इसी दौरान आरोपी से मुलाकात हुई। उसने एनजीओ संचालन का हवाला दिया। साथ ही किशतों में 22 लाख ले लिए। कुछ समय बाद बातचीत बंद कर दी। इससे ठगे जाने की एहसास हो गया। लिहाजा, विजय नगर थाने में अपराध दर्ज कराया। विजय नगर पुलिस कटक पहुंची और आरोपी को अरेस्ट कर लिया। जेल में बंद

आरोपी जमानत चाहता है। इस तरह के धोखेबाज को समाज में खुला नहीं छोड़ा जा सकता। अदालत ने तर्क से सहमत होकर जमानत से इनकार कर दिया। आपत्तिकर्ता की ओर से जांच अधिकारी की भूमिका पर भी सवाल खड़ा किया गया। पांच लाख लेकर मामला रफा-दफा करने के दबाव की बात कही गई। इस सिलसिले में एसपी से शिकायत की गई है। आपत्तिकर्ता की मांग है कि आरोपियों की संख्या बढ़ाई जाए। धाराएं बढ़ाई जाएं। अस्पताल के व्यवसाय से जुड़े लोगों पर भी शिकंजा कसने पर बल दिया गया है।

व्हाट्सएप पर एपीके फाइल डाउनलोड करते ही खाते से उड़ गए 98 हजार

जबलपुर। अधरताल थाना क्षेत्र में व्हाट्सएप पर आई एपीके फाइल डाउनलोड करना एक युवक को महंगा पड़ गया। साइबर ठगों ने उसके बैंक खाते से दो ट्रांजेक्शन के जरिए 98 हजार रुपये निकाल लिए।

संजय नगर भड़पुरा निवासी 30 वर्षीय दुर्गाश रजक के अनुसार 11 अगस्त को उसके व्हाट्सएप पर भारतीय राजीव बैंक के नाम से एक एपीके फाइल भेजी गई थी। उसने फाइल डाउनलोड कर ली और करीब पांच मिनट बाद उसे मोबाइल से डिलीट कर

दिया। इसके बाद दोपहर करीब 2:38 बजे मोबाइल पर अपडेट करने का मैसेज आया, जिसे उसने ओके कर दिया। शाम करीब 6:30 बजे मोबाइल दिखाते पर पता चला कि उसके इंडियन बैंक खाते से 80 हजार और 18 हजार रुपये के दो ट्रांजेक्शन हो चुके हैं। दोनों रकम अलग-अलग खातों में ट्रांसफर की गई थी। कुल 98 हजार रुपये की साइबर ठगी की शिकायत पर अधरताल पुलिस ने थारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

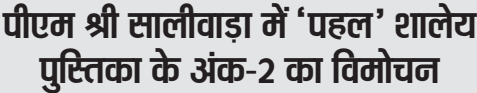


पूर्व जिला पंचायत सदस्य उदयमान सिंह के नेतृत्व में हजारों किसानों ने किया चक्काजाम



प्रशासन ने किसानों को खाद, यूरिया एवं बिजली की समस्या के निराकरण का आश्वासन दिया। वहीं पाटन में यातायात की समस्या और रेलवे फाटक को लेकर रेल विभाग से चर्चा कर एक माह में समाधान कराने की बात कही गई। पूर्व

जिला पंचायत सदस्य उदयभान सिंह ने कहा कि प्रशासन ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया है। यदि एक माह में यातायात की समस्या का निराकरण नहीं हुआ तो किसान दोबारा सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे।



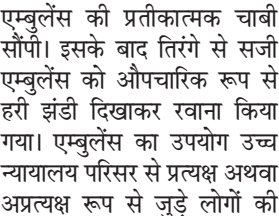
बरेला। सीएम्स की शासकीय उत्तरवर्त माध्यमिक विद्यालय, सालीवाड़ा गौर में शालेय पुस्तिका 'पहल' के द्वितीय अंक का विमोचन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकुंश गोखले, जनपद सदस्य श्रीमती मंजुलता गर्ग, श्रीमती रत्नराज सोनकर, ग्राम पंचायत सालीवाड़ा के सरपंच श्री सौरभ राय, उत्तरप्रबंध एवं पंचायत सहित शिक्षा-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं ग्रामाभ्यन्तर के उपस्थित रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा गोखले ने पुस्तिका के विमोचन पर विद्यालय परिवार को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी रचनात्मक पहल विद्यार्थियों की प्रतिभा को सामने लाने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन एवं राष्ट्र-प्रेम की भावना अपनाने का संदेश दिया। अध्यक्ष के संपादक एवं माध्यमिक शिक्षक एवं सीएम्स श्री (एन) प्रमारी श्री ध्रुव कुमार गोपान्धी तथा सह-संपादक श्री शुभम दिवाधार एवं श्री दीपश्या पाठक के प्रशंसा की सराहना की गई। पुस्तिका की डिजाइनिंग एवं सामग्री का वयन प्रचार्य श्रीमती आशा वानखेडे के निर्देशन में किया गया। पुस्तिका विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को वितरित की गई।



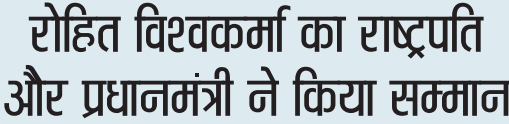
राज डेरी और बड़कुल होटल पर 13 हजार रुपये का
जुर्माना, ब्लिंकिट स्टोर से 16 किलो पूजा घी जब्त

जबलपुर। नगर निगम मजिस्ट्रेट अरुण कुमार गोयल के नेतृत्व में स्वास्थ्य एवं खाद्य सुरक्षा टीम ने विजय नगर क्षेत्र में औचक निरीक्षण अभियान चलाकर स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच की। एकता चौक स्थित राज डेरी में स्वच्छता में लापरवाही पाए जाने पर 3 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। विजय नगर स्थित ब्लिंक स्टोर में खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की जांच के दौरान संदेह के आधार पर 16 किलो पूजा घी जप्त किया गया। वहीं अमूल बटर के सैंपल लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे गए। इसी प्रकार विजय नगर स्थित बड़कुल होटल में अत्यधिक गंदगी एवं मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त खाद्य पदार्थ पाए जाने पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया। साथ ही एफआईआर दर्ज कराने के आदेश दिए गए। इस तरह दोनों प्रतिष्ठानों पर कुल 13 हजार रुपये का जुर्माना किया गया। नगर निगम मजिस्ट्रेट अरुण कुमार गोयल ने कहा कि आम नागरिकों के स्वास्थ्य से सम्झौता करने वाले प्रतिष्ठानों में खाद्य सुरक्षा विफ्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

जबलपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यूनिन बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय, जबलपुर द्वारा यूनिन बैंक सोशल फाउंडेशन के तत्वावधान में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की स्वास्थ्य सेवा अवसररचना में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए एक सुसज्जित एम्बुलेंस समर्पित की गई। यह पहल बैंक के एमडी एवं सीईओ के मार्गदर्शन तथा जोनल हेड प्रभात कुमार के सहयोग से की गई। ऐतिहासिक उच्च न्यायालय परिसर में आयोजित समारोह में जबलपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख समीर कुमार ने वरिष्ठ यूबीआई अधिकारियों एवं पदाधिकारियों के साथ मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक रूसिया को एम्बुलेंस की प्रतीकात्मक चाबी सौंपी। इसके बाद तिरंगे से सजी एम्बुलेंस को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। एम्बुलेंस का उपयोग उच्च न्यायालय परिसर से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से जूड़े लोगों की



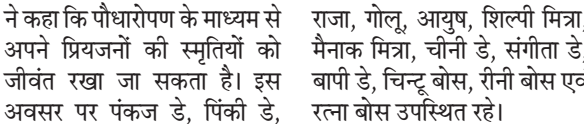
आपातकालीन चिकित्सा आवश्यकताओं के लिए किया जाएगा। बैंक अधिकारियों ने कहा कि यह पहल संस्थानों एवं उनमें कार्यरत लोगों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण के प्रति यूनिजन बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।



बरेला। भारत सरकार द्वारा मानधन योजना के अंतर्गत ग्राम बीजापुर निवासी रोहित विश्वकर्मा का चयन होने पर राष्ट्रपति भवन में आयोजित सम्मान समारोह में उपस्थित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर क्षेत्रीय सरपंच संघटना द्वारा रोहित विश्वकर्मा का सम्मान किया गया। इस उपलब्धि पर रोहित विश्वकर्मा ने बतलाया कि मध्य प्रदेश से इस योजना के अंतर्गत वो एकमात्र प्रतिभागी है और उन्होंने यह बतलाया की इस सम्मान के लिए वह बहुत प्रफुल्लित है। इसका श्रेय मेरे सभी क्षेत्रवासियों को जाता है इस अवसर पर सरपंच पंकज पटेल, सचिव रमाकांत पटेल, डॉ मुदुल शर्मा, सौरभ यादव, प्रदीप दुबे, अनिल विश्वकर्मा, प्रदीप सोनी, दिनेश सोनी आदि ने हर्ष व्यक्त किया।

स्व. एचपी डे की 21वीं पुण्यतिथि पर परिवार ने किया नमन

जबलपुर। स्व. एचपी डे की 21वीं पुण्यतिथि पर डे परिवार ने उन्हें अनोखे अंदाज में श्रद्धांजलि अर्पित की। मंगलवार को परिवार के सदस्य गौरीघाट पहुंचे और पीड़ित मानवता की सेवा करते हुए जरूरतमंदों को भोजन कराया। इससे पूर्व सभी ने मां नर्मदा से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर स्व. एचपी डे को श्रद्धासुमन अर्पित किए। स्व. एचपी डे के पुत्र पंकज डे ने कहा कि सनातन धर्म में पीड़ित मानवता की सेवा को सबसे बड़ा पुण्य माना गया है। इसी भावना से जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। इसके बाद परिवार के सदस्यों ने कैलाश धाम की पहाड़ियों पर फलदार पौधों का रोपण किया और उनकी निमग्नित देखरेख का संकल्प लिया। परिवार



हरिभूमि परिसर में नगर तथा ग्राम निवेश कार्यालय ने किया ध्वजारोहण

जबलपुर। स्वतंत्रता की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर दैनिक समाचार पत्र हरिप्रभु परिसर में नगर तथा ग्राम निवेश, जबलपुर कार्यालय द्वार ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपसंचालक विपुल माहूले ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी। इस अवसर पर राजेश दीवान, अमित पाटिल, श्रीमती सावित्री रैकवार, अमितजी, पंकज एवं कुण्ड यदव सहित कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित जनता ने राष्ट्र के प्रति समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा का संकेत प्रस्तुत किया।

बैंक, स्टेट बैंक एवं बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अनुभव साझा किए। आरबीआई के सहायक महाप्रबंधक पूर्वी विभागस्तव, प्रबंधक विनय मोरे एवं प्रबंधक मनोज कुमार ने विभिन्न सत्रों में एमएसएमई, अकाउंट एप्रिगेटर, TReDS, तनावग्रस्त परिस्थितियों के प्रबंधन संबंधी दिशा-निर्देशों सहित अन्य विषयों पर जानकारी दी। सरकारी योजनाओं,

CGTMESE, NCGTC, क्रेडिट
दस्तावेजीकरण एवं क्रेडिट
इंफॉर्मेशन कंपनियों से जुड़े विषयों
पर भी चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने
एमएसएमई से संबंधित मुद्दों पर
सक्रिय भागीदारी की और कहा कि
कार्यशाला से प्राप्त जानकारी ऋण
वितरण को बेहतर बनाने में उपयोगी
होगी। समापन पर सहायक प्रबंधक
बजरंग तारलकर ने आभार व्यक्त
किया।

सिहोरा। उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार सिविल कोर्ट सिहोरा में स्वतंत्रता दिवस पर उल्लास 2026 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय गान के साथ हुई जिसके पश्चात जिला न्यायाधीश श्री संतोष कोल द्वारा कार्यक्रम शुभारंभ कर ध्वजा रोहण किया गया। इस

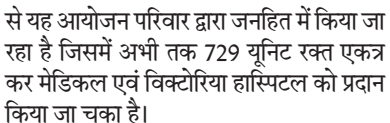
जबस्तर पर देह के अन्तर शरीरों को नमन करने हेतु हृदय पुष्पजालि अर्पित को गह्राई। श्रुतजालि अर्पित करने वालों में माननीय जिला ज्ययादीश श्री श्याम सुन्दर झा जे एम एफ सी श्री अजय उद्देक श्री विशाल रिछरिया, श्रीमती स्नातिता तन्दनर सुश्री दीपेशिका दांगी, श्रीमती हिमाश्री भारद्वाज, श्रीमती रूपा मिश्रा तथा ओबीसी इन्स्पेक्टर श्रीमती निजिता भलावी। उद्देक प्रमुख रूप से शामिल रहे। आयोजन में अतिथित्वा सघ के उपाध्यक्ष मुकुेश मिश्रा, सचिव आनन्द मणि त्रिपाठी, सहसचिव आशीष ब्योहार, वंगपाल आलोक ब्योहार एवं कार्यकारिणी सदस्य साकेत पिंडीहा उपस्थित थे।



ग्राम पंचायत घटना में भी हुआ स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम

सिंहोरा। स्वतंत्रता दिवस पर ग्राम पंचायत घुलना में सरपंच के के दुबे के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कार्यकर्ता मण्डल पंचायत विद्यालय एसए पंचायत भवन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर जनपद सदस्य शिवचरण चतुर्षु बाई, उपसरपंच जागेश्वर साहू पंच बबीता विनोद यादव, अनिल साहू, रामकिशोर दुबे, संजय दुबे, अजय साहू, धर्मेज साहू, रामनाथदा यादव, सचिव चन्द्रमहा बर्मन, री. साहयकर बसंत कोटा, संदीप कोटा, माणवर्धन रावतिशिला आदि उपस्थित थे। अखिल भारतीय जैन दिगंबर जैन महिला परिषद पारवत्य शाखा चन्द्रना समाज सिंहोरा द्वारा पंचायती जैन मंदिर में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया समाज के अध्यक्ष समन्ता जैन एवं सुधीर जैन, अरुण जैन डॉ राजकुमार जैन, सुनील जैन व अध्यक्ष श्रीमती संध्या जैन, सचिव श्रीमती रानी जैन ने झंडा फहराया वरुष परिषद की सभी बहनों ने गण गान किया। राष्ट्र गीत प्रतियोगिता भी आयोजित की गई इस अवसर पर अमीता जैन, नीतू जैन, जयश्री जैन, आशा श्रीवा, निशा जैन सहित परिषद की अध्यक्ष बहनों उपस्थित थी। पशु चिकित्सालय में प्रमोदी डॉ सुभाष ब्योहार द्वारा ध्वजारोहण किया गया इस अवसर पर विकास खंड पशु चिकित्सालय अधिकारी डॉ संजय शर्मा, एस एस एस कादरी, कुमारी श्रुति अगवाल व रही एस आर, तथा सेवानिवृत्त हलौम खान, पंचदेव शर्मा, भरत लाल चौधरी आदि उपस्थित रहे।

सिंहोरा। समाज सेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली आशा जन सेवा समिति द्वारा विगत दिनों मझौली में हर साल की तरह रक्तदान शिविर आयोजन शासकीय चिकित्सालय में किया गया। जिसका शुभारंभ वरिष्ठ समाजसेवी कोमल चंद असाठी ने किया रक्तदान शिविर में मेडिकल की टीम द्वारा 67 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। एवं 108 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया तथा 100रुलतमेंदो का नेत्र:शुल्क चश्मे एवं आई ड्रॉप भी प्रदान किए गए।



इनका रहा सहयोग

शिविर के समापन पर सतीष असाठी, नगर पंचायत अध्यक्ष राजेन्द्र चौरसिया सहित अन्य

अतिथियों ने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए। इस पुनीत सेवा कार्य में भूमि क्रेडिट के श्रीकांत साहू की टीम एवं शक्ति पुत्र टीम ने भी रक्तदान कर अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। सफल बनाने में अभिषेक पटेल, अटल चौरसिया, हर्ष साहू, विकास साहू, अमित सेन, शुभम कोरी, प्रिंस चौहान आदि का योगदान रहा।

संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में
संपन्न हुआ।

श्री महेश प्रसाद- दुर्गा नगर रामपुर
निवासी श्री महेश प्रसाद (51) का
निधन हो गया। अंतिम संस्कार
गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री श्री श्वेता राहटगांवकर- अम्ब
विहार मदनमहल निवासी श्री
सतीश कुमार राहटगांवकर की पुत्री
श्री श्री श्वेता राहटगांवकर (43) का
निधन हो गया। अंतिम संस्कार
गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शांभना राय- सुदामा नगर
कालीमठ मदनमहल निवासी श्री
कमलेश राय की धर्मपत्नी श्रीमती
शोभना राय (51) का निधन हो
गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर
मोक्षधाम में किया गया।

श्री भरत पटेल- छुई खदान शारदा
चौक महेडिकल रोड निवासी श्री
भरत पटेल (59) का निधन हो
गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट
मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रामचंद्र सोनकर- खटीक

शारदा कालोनी निवासी श्री कलाश
वाते की धर्मपत्नी श्रीमती कविता
वाते (68) का निधन हो गया।
अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम
में संपन्न हुआ।

श्री देवनाथ यादव- उड्डिया
मोहल्ला डोटो ओमती निवासी श्री
देवनाथ यादव (75) का निधन हो
गया। अंतिम संस्कार करियापाथर
शमशान भूमि में किया गया।

श्री मती चन्द्रकला चौधरी- गली
नं. 2 पोलोपाथर निवासी श्री मुना
लाल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती
चंद्रकला चौधरी (60) का निधन हो
गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट
मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती श्याम बाई विश्वकर्मा-
सूजी मोहल्ला मिलौनीगंज निवासी
श्री लुट्टन लाल विश्वकर्मा की
धर्मपत्नी श्रीमती श्याम बाई
विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती
श्याम बाई विश्वकर्मा (67) का
निधन हो गया। अंतिम संस्कार
करियापाथर शमशान भूमि में किया



निवासी श्री श्याम पटेल (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री आशीष शर्मा- गुणेश्वर रोड मदनमहल निवासी श्री कुलवंत शर्मा के पुत्र श्री आशीष शर्मा (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुणेश्वर मोक्षधाम में किया गया। श्री त्रिभुवन मेश्राम- गजानन परिसर ग्रीन सिटी निवासी श्री त्रिभुवन मेश्राम (70) का निधन हो

धर्मपत्नी श्रीमती सुखिया बाई
चितिकर का निधन हो गया। अंतिम
संस्कार करियापाथर शमशान भूमि
में किया गया।
श्री अविनाश इंग्ले- ब्रम्हर्षि
कॉलोनी गौरीघाट निवासी श्री
अनिश इंग्ले (55) का निधन हो
गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट
मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।
श्रीमती मीना नामदेव- यादव
कॉलोनी निवासी श्री राजकुमार
नामदेव की धर्मपत्नी श्रीमती मीना
नामदेव (53) का निधन हो गया।
अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम
में किया गया।



बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ में 27 अगस्त तक चलेगा धार्मिक अनुष्ठान, प्रतिदिन शाम 5 बजे होगी कथा

जबलपुर। पवित्र श्रावण मास के पुण्य अवसर पर सिक्किम संस्तर महाताल स्थित श्री बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ में मंगलवार से श्री शिव महापुराण कथा एवं असंख्य रुद्री निर्माण (पार्थिव शिवलिंग) अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ। आयोजन के प्रथम दिवस मंदिर परिसर में श्री शिव महापुराण की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। भक्ति और आस्था से सराबोर वातावरण में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जयघोष करते हुए शोभायात्रा में सहभागिता की। पूरा परिसर 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों से गूंज उठा।

शिव महापुराण की अमृतधारा में माव-विमोर होंगे श्रद्धालु

श्री शिव महापुराण कथा एवं धार्मिक अनुष्ठान 18 से 27 अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है। कथा व्यास पूज्य ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानंद जी महाराज श्री के श्रीमुख से श्रद्धालुओं को प्रतिदिन शिव महापुराण की कथा का रसपान कराया जाएगा। कथा प्रतिदिन शाम 5 बजे से प्रारंभ होगी। कथा के उपरांत भगवान शिव का महारुद्राभिषेक संपन्न होगा।

श्रावण की भक्ति में गूंजा ‘हर-हर महादेव’ निकली श्री शिव महापुराण की भव्य शोभायात्रा



महारुद्राभिषेक और पार्थिव शिवलिंग निर्माण का विशेष महत्व

ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानंद जी महाराज ने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष पुण्यकारी माना गया है। इस दौरान शिव महापुराण का श्रावण, पार्थिव शिवलिंग निर्माण और महारुद्राभिषेक श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक साधना से जोड़ते हैं। आयोजन का उद्देश्य धर्मप्रेमी समाज को भगवान शिव की भक्ति, कथा और

आध्यात्मिक चिंतन से जोड़ना है।

असंख्य रुद्री निर्माण का अनुष्ठान

श्री शिव महापुराण कथा के साथ असंख्य रुद्री निर्माण अर्थात पार्थिव शिवलिंग निर्माण का अनुष्ठान भी किया जा रहा है। श्रद्धालु इसमें सहभागी होकर भगवान भोलेनाथ की आराधना कर रहे हैं। मंदिर परिसर में आयोजन को लेकर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

धर्मप्रेमी नागरिकों से सहभागिता की अपील

आयोजकों ने कहा कि यह आयोजन केवल कथा श्रावण का अवसर नहीं, बल्कि भगवान शिव की आराधना, भक्ति और आध्यात्मिक साधना से जुड़ने का पावन अवसर है। उन्होंने धर्मप्रेमी नागरिकों से परिवार और बंधु-बंधवों सहित प्रतिदिन कथा एवं महारुद्राभिषेक में उपस्थित होकर इस दिव्य कथा संहिता में अवगाहन करने की अपील की।

यह रहे उपस्थित

आयोजन में आचार्य राजेंद्र शास्त्री, भारत सिंह यादव, सुरेश सरिता कुर्जेले, नीता पटेल, वर्षा साहू, अमित-प्रतिक्षा सिंह, गोविंद-प्रीति साहू, प्रीति अग्रवाल, आराधना आशीष चौकसे, शिव गुप्ता, सुनील गुप्ता, पुष्पेंद्र सिंह परिहार, तुलसी अवस्थी, वैभव दुबे, अंकित दीक्षित, सोनू कुर्जेले, राहुल मौर्य, राज गुप्ता, लकी शर्मा, रोहित तिवारी, अभिषेक उपाध्याय, गौरव चौबे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मीडिया प्रमारी मंगेश सेन ने धर्मप्रेमी नागरिकों से आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आग्रह किया।



जनेकृवि की आईएफएस टीम को मिला प्रशंसा प्रमाण-पत्र

जबलपुर। रायसेन में आयोजित उन्नत कृषि महोत्सव-2026 प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण में एकीकृत कृषि प्रणाली (आईएफएस) एवं प्राकृतिक खेती की जीवंत प्रदर्शन इकाइयों के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय (जनेकृवि), जबलपुर की आईएफएस टीम को प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. राजबीर सिंह द्वारा प्रेषित प्रशंसा प्रमाण-पत्र स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जनेकृवि के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा एवं विश्वविद्यालय अधिकारियों व गणमान्य अतिथियों ने टीम को प्रदान किया। इस अवसर पर एकीकृत समन्वित प्रणाली प्रमुख एवं चीफ एग्रीनोमिस्ट डॉ. नम्रता जैन, प्रमुख प्राकृतिक खेती परियोजना डॉ. विकास गुप्ता एवं सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय के श्री राकेश मोबिया को सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय ने टीम के समर्पित प्रयासों एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत के साथ ‘उदय 2026’ का शुभारंभ

जबलपुर। बड़ेरिया ग्लोबल इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय ‘उदय 2026’ इंडक्शन प्रोग्राम का भव्य शुभारंभ हुआ। इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, पॉलिटेक्निक एवं एमटेक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यार्थियों द्वारा दीप प्रचलन एवं गणेश वंदना से हुआ। इस अवसर पर बड़ेरिया ग्लोबल ग्रुप के संरक्षक एस.डी. बड़ेरिया एवं आशा बड़ेरिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रुप अध्यक्ष डॉ. सोरभ बड़ेरिया ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए बदलते तकनीकी एवं प्रतिस्पर्धात्मक परिवेश के अनुरूप ज्ञान, कौशल एवं व्यक्तित्व विकास पर जोर दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों, प्रशिक्षण,



कौशल विकास कार्यक्रमों एवं सुविधाओं की जानकारी दी गई। डॉक्ट्रिनेरी के माध्यम से संस्थान की उपलब्धियों से परिचित कराया गया। सेमिस्टर परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया। डायरेक्टर डॉ. राजीव खत्री ने स्वागत उद्घोष दिया। मोटिवेशनल स्पीकर अफजल अहमद ने विद्यार्थियों को प्रतिभा निखारने एवं उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करने के लिए

प्रेरित किया। परीक्षा नियंत्रक मुकेश तिवारी ने नामांकन एवं परीक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस अवसर पर डिप्टी डायरेक्टर डॉ. निहारिका यादव, डायरेक्टर प्लानिंग डॉ. रविंद्र क्षीरसागर, रजिस्ट्रार प्रो. पूर्णानंद दुबे, सोरभ शर्मा, प्रतीक मिश्रा, मनीष तिवारी, अनिल शुक्ला, अमित अग्रवाल, वंदना पाठक, शुभम पटेल सहित विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन प्रो. प्रसन्न पाठक ने किया।

नगर निगम की जनसुनवाई में आए 69 आवेदन मौके पर हुआ निराकरण

जबलपुर। नगर निगम मुख्यालय एवं सभी संभागीय कार्यालयों में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई की गई। निगमयुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देश पर अपर आयुक्त विद्यानंद बाजपेई, अशफाक कुरेशी एवं प्रमारी जनसुनवाई वेद प्रकाश चौधरी ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर बुलाकर कई मामलों का तत्काल निराकरण कराया। मुख्यालय में कुल 44 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें अतिक्रमण के 2, भवन शाखा के 14, स्वास्थ्य के 3, जल के 2, कॉलोनी सेल के 2, राजस्व, एडोसीआर, स्थापना के 2, संपदा शाखा के 12, उद्यान, लेखा तथा डिभिजन संगमों से संबंधित आवेदन शामिल रहे। राजस्व एवं स्वास्थ्य विभाग से जुड़े संवेदनशील मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया। वहीं नगर निगम के सभी संभागीय कार्यालयों में 25 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका संभागीय अधिकारियों ने मौके पर ही शत-प्रतिशत निराकरण किया। त्वरित कार्रवाई से आवेदकों को राहत मिली। जनसुनवाई में उपस्थित श्रीमती अंकिता जैन, गुलाब इमरानी, सुनील दुबे, विष्णु देवेंद्र पटेल, अखंड, सतीश मिश्रा सहित विभागीय प्रमुख एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मन के बंधनों से आजादी ही वास्तविक मुक्ति : सतगुरु माता सुदीक्षा

आंतरिक स्वतंत्रता और ब्रह्मज्ञान के संदेश संग मनाया मुक्ति पर्व

जबलपुर। संत निरंकारी मिशन की ओर से मुक्ति पर्व श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। दिल्ली स्थित निरंकारी सरोवर के समक्ष ग्राउंड नंबर-2, निरंकारी चौक, बुराड़ी रोड पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में देश-विदेश से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने संदेश दिया कि सच्ची मुक्ति बाहरी बंधनों से नहीं, बल्कि नफरत, अहंकार, छोटी सोच, अज्ञान एवं पूर्वाग्रहों से मुक्त होने में है। हर सांस में निराकार परमात्मा का अहसास रखते हुए प्रेम, भक्ति एवं स्वीकार्यता के साथ जीवन जीना ही जीते-जी मुक्ति है। उन्होंने माता सविंदर जी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए लाइट हाउस का उदाहरण दिया और कहा कि परिस्थितियां कैसे भी हों, भीतर की शांति, प्रेम एवं सकारात्मकता की रोशनी कायम रखनी चाहिए। संतों की शिक्षाओं को



जीवन में उतारना ही वास्तविक साधना है। इसी क्रम में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के आशीर्वाद से जबलपुर शाखा के गोल बाजार भवन में भी मुक्ति पर्व आयोजित किया गया। रीवा से पधार प्रचारक महात्मा दर्शन लाल जी अरोरा के सान्निध्य में हुए कार्यक्रम में

मिशन के इतिहास एवं महान संत विभूतियों के त्याग व समर्पण को स्मरण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। कार्यक्रम में बताया गया कि ब्रह्मज्ञान की दिव्य ज्योति मानव को अपनी वास्तविक पहचान का बोध कराते हुए प्रेम, सद्भाव एवं मानवता के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।



24 वर्षों की सेवा यात्रा को किया याद, चार्टर सदस्यों का सम्मान

जबलपुर। रोटरी क्लब जबलपुर एक्सीलेंस का 24वां चार्टर डे समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष रोट. शैलेन्द्र जेठा, सचिव रोट. राजेश पटेल एवं कोषाध्यक्ष रोट. अभिषेक केसरवानी ने राष्ट्रगान के साथ किया। समारोह में चार्टर सदस्यों PP रोट. अखिलेश बादशाह, PP रोट. आर.के. चौकसे, डॉ. योगेश शर्मा, डॉ. एम.एल.वी. राव एवं PP रोट. अंकुर पाहवा को स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। चार्टर सदस्यों ने क्लब की 24 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा और सामाजिक सेवा गतिविधियों में अपने योगदान को साझा किया। अतिथियों एवं चार्टर सदस्यों का स्वागत रोट. आशीष जैन, रोट. अभिषेक केसरवानी, रोट. जयंत गुप्ता एवं PP रोट. अशोक साहू सहित क्लब सदस्यों ने किया। वक्ताओं ने क्लब की सेवा, समर्पण एवं सामाजिक सरोकारों में उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए चार्टर सदस्यों एवं पूर्व पदाधिकारियों के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। संचालन PP रोट. अभिषेक ओसवाल ने किया। समारोह में क्लब पदाधिकारी, सदस्य एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे। सभी ने आगामी सेवा कार्यों को और प्रभावी बनाने का संकल्प लिया।



लोकगाथा शैली में जीवंत हुई रानी दुर्गावती की गौरव गाथा

जबलपुर। नाट्य लोक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था, जबलपुर द्वारा शहीद स्मारक प्रेक्षागृह, गोलबाजार में ‘दुर्गावती गौरव गाथा’ की प्रभावशाली प्रस्तुति की गई। दक्खर सिंह ग्रावर के निर्देशन में प्रस्तुत नाट्य में वीरंगना रानी दुर्गावती के जीवन, व्यक्तित्व, शौर्य एवं बलिदान को लोकगाथा शैली में जीवंत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष संदीप जैन अग्रवाल, शरद भाई पालन, डॉ. अभिजात कृष्ण निपाठी एवं उदय परांजपे ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। रानी दुर्गावती के जन्म से अंतिम बलिदान तक की जीवन यात्रा को

चंपू शैली में वाचन, लोकसंगीत, लोकनृत्य एवं अभिनय के समन्वय से प्रस्तुत किया गया। सैला, मूसल, करमा, डंडा एवं चाटकोला जैसे लोकनृत्यों ने प्रस्तुति को विशेष लोक रंग प्रदान किया। नृत्य निर्देशन दक्खर सिंह ग्रावर का रहा। प्रस्तुति में माला आक्रमणकारियों के विरुद्ध रानी दुर्गावती के अदम्य साहस, युद्धनीति और नेतृत्व को प्रभावी ढंग से उकेरा गया। लोकधुनों, रणनाद, गाथा-वाचन एवं अभिनय के माध्यम से उनके संघर्ष और बलिदान के प्रसंगों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। गाथा वाचन एवं अभिनय में वरिष्ठ रंगकर्मी का वियथ शर्मा, दक्खर सिंह ग्रावर एवं विकी

तिवारी ने भूमिका निभाई। संगीत निर्देशन संजय पांडे एवं मुरकान धोपे सोनी ने किया। गायन वृंद में मानसी सोनी, समीर सराडे, चेतना बेन, भावना विश्वकर्मा, अर्पिता पटेल, नृत्य दल में प्रेमराज विश्वकर्मा, पराग तेलंग, देवेंद्र झरिया, शंकर भूमिया, दीपाली ठाकुर, हंसिका मिश्रा, भूमिका झरिया एवं श्री गुप्ता ने सहभागिता की। आयोजन की सफलता में श्री जानकी रमन महाविद्यालय, राज सगरी, अभिमन्यु जैन, सुरेश मिश्र विंचर, राजेश दुबे, इंद्र पांडे, रविंद्र मुराह, संजय गर्ग एवं राकेश कुर्जेले सहित अनेक सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।

एनसीएल में ‘सत्यनिष्ठा से समृद्धि’ पर त्रैमासिक सतर्कता अभियान शुरू



जबलपुर। भारत सरकार की मिनीरल कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) में केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशानिर्देशन में आगामी सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 के उपलक्ष्य में “सत्यनिष्ठा से समृद्धि” थीम पर त्रैमासिक सतर्कता अभियान का शुभारंभ हुआ। अभियान 17 अगस्त से 16 नवंबर 2026 तक चलेगा। एनसीएल मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सीएमडी बी. साईराम वीसी के माध्यम से, निदेशक (मानव संसाधन) मनीष कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी अजय कुमार जायसवाल सहित

परियोजनाओं एवं इकाइयों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष एवं अधिकारी उपस्थित रहे। सीएमडी ने कहा कि सत्यनिष्ठा को केवल सतर्कता गतिविधियों तक सीमित न रखते हुए दैनिक कार्यप्रणाली का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने युवा अधिकारियों को प्रक्रियाओं एवं दिशा-निर्देशों से अवगत कराने, कार्यों के समयबद्ध निस्तारण तथा कर्तव्य के प्रति समर्पण पर जोर दिया। मुख्य सतर्कता अधिकारी अजय कुमार जायसवाल ने अभियान के उद्देश्य एवं पांच प्रमुख फोकस क्षेत्रों की जानकारी दी। इनमें शिक्षाओं का समयबद्ध निस्तारण, सतर्कता

मामलों की निगरानी, साइबर सुरक्षा, सार्वजनिक खरीद, जेम एवं कन्डक्ट रूल संबंधी जागरूकता, डिजिटल पारदर्शिता तथा अनुबंधों का समयबद्ध समापन शामिल हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर किया गया। इसके बाद सीएमडी ने कर्मियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दलाई। महाप्रबंधक (सतर्कता) कमलेश बनसोडे ने आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक “सत्यनिष्ठा से समृद्धि” थीम पर मनाया जाएगा।

कर्मचारियों के हितों और संगठनात्मक एकता पर हुआ मंथन



जबलपुर। पशुपालन एवं डेयरी विभाग तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी विभागीय कर्मचारी कल्याण समिति, मध्यप्रदेश के तत्वावधान में संभागीय सम्मेलन प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में सागर संभाग के दमोह सहित विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में कर्मचारी, संगठन पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. के.पी. कुर्मी, डॉ. डी.डी. चढ़ार, पूर्व उप संचालक डॉ. बी.के. आस्टे एवं डॉ. महेंद्र पटेल उपस्थित रहे। सम्मेलन की अध्यक्षता समिति के प्रांतीय अध्यक्ष सचिन शर्मा ने की। इस अवसर पर प्रांतीय सचिव विनय कुमार, प्रदेश संयोजक रामेंद्र सिंह कुशवाहा, महिला प्रदेश संयोजक कु. पारूल सोनी, प्रदेश संगठन मंत्री भूपेंद्र चौहान, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य प्रभा साहू, सागर

संभागीय अध्यक्ष विकास श्रीवास्तव, दमोह जिला अध्यक्ष संजय दुबे, सागर जिला अध्यक्ष गगन लडिया, निवाड़ी जिला अध्यक्ष आशीष सेन एवं जिला महिला संयोजक भोपाल प्रभा नागसिया सहित विभिन्न इकाइयों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। सम्मेलन में कर्मचारी हितों एवं संगठन को मजबूत बनाने से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

नाम सुधार सूचना
मै. मो. शाहिद अंसारी पिता फ़ौज अहमद अंसारी, उम्र 32 वर्ष, निवासी 926/1, अन्तार नगर इंडियन मेडिकल स्टोर के पास, बार्ड नं. 40 हैं। जाकिर हुसैन बार्ड, गोलपुर, जबलपुर (म.प्र.)। यह कि मेरे पासपोर्ट नं. N0441222 में मेरा पूर्व नाम MOHAMMAD SHAHID ANSARI S/o FEEZOOR AHMED ANSARI दर्ज है। जिससे मैंने बदलकर MOHD SHAHID ANSARI S/o FEEZOOR AHMED ANSARI कर लिया है। यह कि मुझको इसी नाम MOHD SHAHID ANSARI S/o FEEZOOR AHMED ANSARI के नाम से जाना एवं पहचाना तथा पढ़ा-लिखा जावे।
वर्तमान नाम-MOHD SHAHID ANSARI S/o FEEZOOR AHMED ANSARI पूर्व नाम -MOHAMMAD SHAHID ANSARI S/o FEEZOOR AHMED ANSARI



शहीदों को नमन कर मनाया देशभक्ति का पर्व

जबलपुर। कलचुरी फैमिली क्लब की ओर से देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता को समर्पित कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत देशभक्ति गीतों के साथ हुई। सदस्यों ने शहीदों के बलिदान को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर देशभक्ति से जुड़ी लघु प्रस्तुतियां एवं विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए राष्ट्रप्रेम एवं समर्पण का संदेश दिया। राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता एवं सामुदायिक जुड़ाव पर भी विचार-विमर्श हुआ। सदस्यों ने कहा कि देशभक्ति केवल राष्ट्रीय पर्वों तक सीमित नहीं, बल्कि देश एवं समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना भी

सच्ची देशभक्ति है। कार्यक्रम का संयोजन कौशलेंद्र महाजन एवं संचालन राजीव चौकसे ने किया। इस अवसर पर रवींद्र-शशि चौकसे, राजेंद्र-सीमा राय, श्रीचंद-कल्पना चौकसे, देवेंद्र-आशा चौकसे, कौशलेंद्र-कल्पना महाजन, विद्याशंकर-किरण राय, मिथलेश-आशा चौकसे, श्याम-मनोरमा राय, संदीप-प्रीति चौकसे, संजय-रोजी महाजन, सुरेंद्र-जयश्री चौकसे, सूर्यप्रकाश-निधि राय, रामजस-कृष्णा चौकसे, केएस-रेखा राय, राजकुमार-अर्चना जायसवाल, संतोष-ज्योति जायसवाल, राजेश-अर्चना जायसवाल, आनंद-नीता महाजन, नीरज-कविता चौकसे, आशीष-नेहा चौकसे, हर्ष जायसवाल, रनबीर एवं राजबीर चौकसे सहित क्लब सदस्य उपस्थित रहे।

नाम परिवर्तन

यह कि मैं उषादेवी कुलचंदानी, पति श्री प्रेमप्रकाश कुलचंदानी 537/2 ए. प्रेम कोठी, कबीर मार्ग नैपियरटाउन, जबलपुर (म.प्र.) निवासी हूँ। मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड, मार्कशीट में उषादेवी कुलचंदानी नाम ही दर्ज है। सिर्फ पासपोर्ट में उषा कुलचंदानी नाम दर्ज है जो गलत है। कृपया सभी दस्तावेजों में मेरा नाम उषादेवी कुलचंदानी नाम ही दर्ज किया जावें।

गलत नाम- उषा कुलचंदानी Usha Kulchandani सही नाम- उषादेवी कुलचंदानी Ushadevi Kulchandani

नाम परिवर्तन

यह कि मैं जितेंद्र जग्गी, पिता स्व. आशानंद जग्गी (ए.एन. जग्गी) 1389, मदनमहल, जबलपुर (म.प्र.) निवासी हूँ। मेरे आधार कार्ड में जितेंद्र जग्गी लिखा हुआ है, मेरे पासपोर्ट में भूलवश जितेंद्र कुमार जग्गी लिखा गया है। मेरा सही नाम जितेंद्र जग्गी है। कृपया सभी दस्तावेजों में मेरा नाम जितेंद्र जग्गी नाम ही दर्ज किया जावें।

गलत नाम- जितेंद्र कुमार जग्गी Jitendra Kumar Jaggi सही नाम- जितेंद्र जग्गी Jitendra Jaggi

अजूबों में शामिल मिस्त्र के ग्रेट पिरामिड ऑफ गीजा को लेकर एक हैरान कर देने वाली जानकारी सामने आई है। सदियों से रहस्य का केंद्र बने इस विशाल पिरामिड के अंदर एक हाई-टेक रोबोट को एक पतली गुप्त सुरंग के जरिए भेजा गया।

पिरामिड में घुसा हाई-टेक रोबोट : 4500 साल से बंद सीक्रेट दीवार के सामने जाकर रुका

काइरो। लगभग 100 फीट लंबे संकरे रास्ते का सफर तय करने के बाद यह रोबोट एक ऐसे सीलबंद दरवाजे के सामने जाकर पहुंचा, जिसे पिछले 4,500 सालों से किसी इंसान ने नहीं छुआ है। इस खोज ने एक पुराने सवाल का जवाब देने के बजाय एक नया सस्पेंस खड़ा कर दिया है। आखिर, इस 4,500 साल पुराने दरवाजे के पीछे ऐसा क्या छिपा है? हालांकि, अभी तक इस सीलबंद हिस्से को खोला नहीं गया है और न ही इसके अंदर क्या है, इसे लेकर कोई आधिकारिक खुलासा हुआ है।

मिस्रविज्ञानी जाही हवास ने इसको लेकर संकेत दिया है कि वे 2026 के बाद इस रहस्यमयी रास्ते से जुड़े परिणामों को लेकर आधिकारिक रिपोर्ट निकर्षों पर एक आधिकारिक रिपोर्ट जारी करने की योजना बना रहे हैं। उनका मानना है कि यह खोज प्राचीन मिस्त्र के इतिहास और पिरामिड की बनावट को लेकर हमारी समझ को पूरी तरह से बदल सकती है।

थर्मल इमेजिंग, 3 डी मैपिंग, न्यूऑन स्कैनिंग जैसी एडवांस्ड तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा

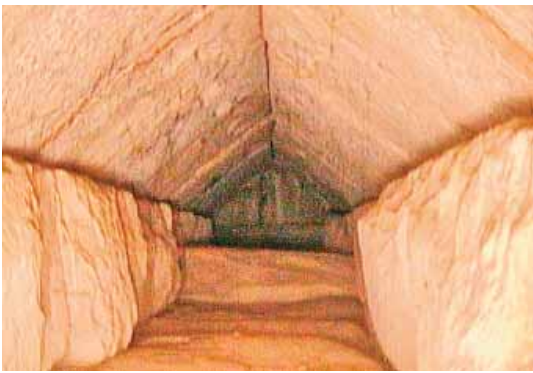


मिस्त्र के सबसे महान राजा से जुड़ा है यह पिरामिड

गीजा का यह पिरामिड राजा खूफु के लिए बनाया गया था, जिसकी बड़ी संरचना में कई अनसुलझे रहस्य मौजूद हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस सीलबंद दरवाजे के पीछे कोई गुप्त खजाना, प्राचीन दस्तावेज या राजा का सीक्रेट रूम हो सकता है। यह खोज मिस्त्र की सभ्यता के कई पन्ने खोल सकती है।

इंसानों का जाना था नागुमकिन

वैज्ञानिकों के लिए पिरामिड के इस पतले और संकरे रास्ते में जाना बहुत ही खतरनाक और जोखिम भरा, नामुमकिन जैसा था। पुरानी पत्थर की संरचना को बिना नुकसान पहुंचाए जांच करने के लिए रिसर्चर्स ने मॉडर्न रोबोटिक और स्कैनिंग टेक्नोलॉजी का सहारा लिया। जब रोबोट इस 100 फीट लंबे गलियारे के आखिरी छोर पर पहुंचा, तो वहां कोई खाली कमरा नहीं मिला, बल्कि एक ठोस पत्थर की दीवार या सीलबंद दरवाजा नजर आया।



खुल रहे हैं प्राचीन पिरामिड के राज

प्राचीन पत्थरों को बिना कोई नुकसान पहुंचाए पिरामिड के अंदर पहुंचने के लिए वैज्ञानिक अब एडवांस तकनीकों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रहे हैं। इस अभियान में रोबोटिक्स के साथ ही-थर्मल इमेजिंग, 3D मैपिंग, न्यूऑन स्कैनिंग जैसी एडवांस्ड तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अब पूरी दुनिया की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि 2026 के बाद जब यह रिपोर्ट सामने आएगी, तो इतिहास का कौन सा बड़ा पन्ना खुलेगा।

रोचक खबरें

20 साल की बकरी की मौत पर किसान ने छपवाए कार्ड, 600 लोगों को कराया 13वीं का भोज

विदिशा। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले के सिरोंज क्षेत्र से एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने इंसानियत और बेजुबान जानवरों के प्रति अटूट प्रेम की एक अनूठी और भावुक मिसाल कायम कर दी है। अमूमन शोक सभाएं और तेहरवीं के आयोजन अपनों और परिजनों के जाने पर किए जाते हैं, लेकिन यहां एक किसान ने अपनी 20 साल पुरानी पालतू बकरी के लिए वो सब किया जो अमूमन सगे परिजनों के देहांत पर किया जाता है। सिरोंज के भवानी नगर निवासी किसान नवल सिंह मालवीय की पालतू बकरी, जिसे पूरा परिवार और गांव प्यार से कटोरी उर्फ चमेली कहता था, 3 अगस्त को इस दुनिया को अलविदा कह गई। किसान नवल सिंह मालवीय के लिए ‘कटोरी’ महज एक मवेशी या जानवर नहीं थी, बल्कि परिवार की एक सदस्य और औलाद जैसी थी। कटोरी बीते 20 सालों से नवल सिंह के घर का अहम हिस्सा बनी हुई थी। घर की रानी: वह आम मवेशियों की तरह खुंटे से नहीं बांधी जाती थी, बल्कि बाकायदा घर के अंदर पलंग पर सोती थी और पूरे परिवार के सुख-दुख की साझीदार थी। जब 3 अगस्त को उसकी सांसे थमीं, तो पूरा मालवीय परिवार गमगीन हो गया और घर में चूल्हा तक नहीं जला। नवल सिंह ने अपनी ‘कटोरी’ को अंतिम विदाई देने में कोई कमी नहीं छोड़ी। स्थानीय प्रशासन से बाकायदा अनुमति लेकर कटोरी का पूरे हिंदू रीति-रिवाज के साथ अस्थि विसर्जन का कर्मकांड पूरा किया। रिश्तेदारों, परिचितों और ग्रामीणों को तेहरवीं में आमंत्रित करने के लिए बाकायदा शोक संदेश के कार्ड छपवाकर बांटे गए।

तेरहवीं पर 600 लोगों का महाभोज, उमड़ा पूरा गांव

13 दिनों के शोक के बाद 15 अगस्त को गंगाजली खेलने के साथ तेहरवीं का आयोजन किया गया। नवल सिंह ने अपनी प्यारी कटोरी की आत्मशान्ति और याद में एक विशाल भोज का आयोजन किया। इस तेरहवीं में रिश्तेदार, दोस्त और गांव के लगभग 600 लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में पहुंचे हर एक व्यक्ति को आंखें इस दृश्य को देखकर नम हो गईं और सबने एक बेजुबान के प्रति नवल सिंह के इस असीम समर्पण और प्यार की जमकर तारीफ की।

आसमान से दिखा इंसानी फिंगरप्रिंट जैसा टापू, 2३ किमी तक फैली है पत्थरों की दीवार

जाग्रोब। दुनियाभर में प्रकृति और इंसानों की बनाई गई ऐसी अजीबोगरीब रचनाएं मौजूद हैं, जो अपनी अनूठी बनावट से लोगों को हैरान कर देती हैं। ऐसा ही एक अद्भुत नजारा एंड्रियाटिक सागर में क्रोएशिया के तट के पास देखने को मिलता है। यहां शिबेनिक द्वीपसमूह के पास स्थित बाल्जेनाक नाम का एक छोटा सा टापू इन दिनों काफी सुर्खियां बटोर रहा है। इस टापू की सबसे बड़ी खासियत यह है कि जब आप इसे आसमान से देखेंगे, तो यह इंसान के अंगूठे के निशान यानी एक विशाल फिंगरप्रिंट की तरह दिखाई देता है। महज 1.4 वर्ग किमी में फैला यह अंडाकार टापू दूर से किसी अजूबे से कम नहीं लगता। इसके फिंगरप्रिंट जैसा दिखने की वजह कोई कुदरती कारिगमा नहीं, बल्कि इस पर बनी सूखी पत्थरों की दीवारों का एक बहुत बड़ा जाल है। ये छोटी-छोटी दीवारें और उनके बीच की लकीरें दूर से देखने पर बिल्कुल इंसानी त्वचा की रेखाओं और झुर्रियों जैसी नजर आती हैं। बता दें कि आयरलैंड, इंग्लैंड और स्कॉटलैंड जैसे कई पश्चिमी यूरोपीय देशों की तरह क्रोएशिया के ग्रामीण इलाकों और तटीय क्षेत्रों में भी पत्थरों की ऐसी दीवारें बनाने की सदियों पुरानी परंपरा रही है। इतिहास में इन दीवारों का निर्माण खेतों की सीमाओं को तय करने के लिए किया जाता था। इनको बनाने की सबसे खास बात यह है कि इन्हें जोड़ने के लिए सीमेंट, चूने या किसी भी तरह के गारे का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं किया गया है। इसके बजाय, पुराने जमाने के कुशल कारीगर और किसान पत्थरों को बहुत ध्यान से चुनते थे और उन्हें पहली के टुकड़ों की तरह एक-दूसरे के ऊपर इतनी मजबूती से सेंट करते थे कि वे सदियों तक हिले बिना टिकी रहें। क्रोएशिया का ज्यादातर तटीय इलाका पथरीला है, यानी जमीन पर हर तरफ चट्टानें और पत्थर बिखरे पड़े हैं। खेती करने लायक जमीन तैयार करने के लिए किसानों ने मिट्टी में से इन पत्थरों को चुनकर बाहर निकाला और खेतों के चारों तरफ चौकोर और जालीदार दीवारें खड़ी कर दीं।

वर्ल्ड हेरिटेज साइट की सूची में शामिल

महज आधा किलोमीटर लंबे बाल्जेनाक टापू पर इन दीवारों की कुल लंबाई 23 किलोमीटर से भी ज्यादा है। साल 2018 में यूनेस्को से इस अनोखे आईलैंड और इसकी सूखी पत्थरों की दीवारों को वर्ल्ड हेरिटेज साइट की सूची में शामिल कर लिया। बता दें कि खेतों की सीमाएं तय करने के अलावा इन पत्थरों की दीवारों का एक बहुत बड़ा वैज्ञानिक फायदा भी था। क्रोएशिया के तटीय इलाकों में ‘बुरा’ नाम की बहुत ही तेज और बर्फीली हवाएं चलती हैं, जो फसलों को पूरी तरह तबाह कर देती थीं। पत्थरों की ये ऊंची दीवारें इन तेज हवाओं को रोककर एक सुरक्षा कवच का काम करती थीं, जिससे पथरीले इलाकों में भी खेती करना मुमकिन हो पाता था। बाल्जेनाक के अलावा एंड्रियाटिक सागर के सबसे लंबे तटीय क्षेत्र वाले ‘पाग’ नाम के आईलैंड पर भी किसानों ने पत्थरों की ऐसी दीवारें बनाई हैं, जिनकी कुल लंबाई 1,000 किमी से भी ज्यादा है। इंसानों और प्रकृति के इस अनोखे तालमेल को देखने के लिए आज दुनिया से लोग खिंचे चले आ रहे हैं।

खूबसूरती

अंदर का नजारा देख लोग बोले- ‘वाह ताज!’

भोपाल। ताजमहल को दुनिया सिर्फ प्यार की निशानी के तौर पर नहीं जानती, बल्कि इसकी खूबसूरती और शानदार आर्किटेक्चर भी लोगों को अपनी ओर खींचती है। सफेद संगमरमर, बड़ा गुंबद, चारों तरफ बने मीनार जैसे खंभे और खूबसूरत बगीचे इसकी पहचान हैं। शायद यही वजह है कि ताजमहल जैसा घर बनाने का ख्याल भी अपने आप में बहुत बड़ा सपना लगता है। लेकिन, मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में रहने वाले आनंद प्रकाश चोकसी ने इस सपने को हकीकत में बदलने की कोशिश की है। उन्होंने अपनी पत्नी के लिए ताजमहल से प्रेरित एक बेहद खूबसूरत घर बनवाया है, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में हैं। दरअसल, यह आलीशान घर मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में बनाया गया है, जो असली ताजमहल से करीब 800 किलोमीटर दूर बताया जाता है। आनंद प्रकाश चोकसी ने इस घर को बनवाने का काम साल 2021 में शुरू कराया था। घर को देखकर पहली नजर में ही ताजमहल की झलक दिखाई देती है।

पत्नी के प्यार में रच दिया इतिहास बना डाला ताजमहल जैसा घर



ताजमहल से प्रेरित है घर की पूरी डिजाइन

आनंद प्रकाश चोकसी ने इस घर को सिर्फ बाहर से ताजमहल जैसा दिखावे की कोशिश नहीं की, बल्कि इसकी डिजाइन में ताजमहल की कई बारीकियों को भी शामिल किया है। घर का आकार, गुंबद, बाहरी संरचना और दूसरी डिजाइन की ताजमहल से प्रेरित रखा गया है। वीडियो के आखिर में खुद आनंद प्रकाश चोकसी भी नजर आते हैं। वह बताते हैं कि घर को तैयार करते समय असली ताजमहल की माप का भी ध्यान रखा गया था। बताया गया कि ताजमहल की माप मीटर में ली गई और फिर उसी अनुपात को फीट में बदलकर घर की डिजाइन तैयार की गई। आमतौर पर लोग अपने घर को खूबसूरत बनाने के लिए अलग-अलग तरह की डिजाइन चुनते हैं, लेकिन ताजमहल से प्रेरित पूरा घर बनवाना अपने आप में काफी अलग बात है।

सफेद रंग और खूबसूरत बगीचे

ताजमहल की खूबसूरती में सफेद रंग और उसके आसपास का हरा-भरा बगीचा बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। आनंद प्रकाश चोकसी के घर में भी इन दोनों चीजों का खास ध्यान रखा गया है। घर का बाहरी हिस्सा सफेद रंग में तैयार किया गया है और आसपास हरियाली भी दिखाई देती है। घर की डिजाइन में ताजमहल के बड़े गुंबद से लेकर उसके आसपास नजर आने वाली मीनारों जैसी संरचनाओं को भी शामिल किया गया है।



अंदर का लुक भी बेहद शानदार

इस घर की एक खास बात इसकी ऊंची छत है। रिपोर्ट के मुताबिक, घर की छत करीब 24 फीट ऊंची है। इतनी ऊंची छत आम घरों में देखने को नहीं मिलती और यही चीज इसके अंदर के हिस्से को काफी खुला और भव्य बनाती है। घर के अंदर पहुंचने पर इसकी सजावट भी लोगों का ध्यान खींचती है। वीडियो में शुभम ने इसके इंटीरियर को फिल्में में दिखने वाले आलीशान घरों जैसा बताया. घर की सीढ़ियों को भी रॉयल अंदाज में डिजाइन किया गया है। खूबसूरत लाइट्स, पेंटिंग्स, सोफे और कुंआवट की दूसरी चीजों ने पूरे इंटीरियर को काफी शानदार बना दिया है।

रोबोटिक आर्म के सहारे स्पेस में उतरे भारतीय मूल के अनिल

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष की दुनिया में भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन ने एक बार फिर नया इतिहास रच दिया है। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से उन्होंने मात्र 10 दिनों के अंदर अपनी दूसरी स्पेसवाक 18 अगस्त, मंगलवार को शुरू कर दी है। इस बार अनिल मेनन स्पेस स्टेशन के मरम्मत करने के लिए बाहर निकले हैं। इस बहुत ही कठिन और जरूरी मिशन में उनके साथ यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की सोफी एडेनोट भी शामिल हैं, जो स्पेसवाक करने वाली फ्रांस की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री बन गई हैं।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के अनिल मेनन और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की अंतरिक्ष यात्री सोफी एडेनोट इस मिशन के तहत करीब साढ़े छह घंटे तक स्पेस स्टेशन के बाहर रहेंगे. यह मिशन 18 अगस्त को दोपहर करीब 01:35 बजे से शुरू हो गया है। दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस-टू-ग्राउंड एंटीना बदलने का काम सौंपा गया है।



हटेगा पुराना एंटीना

इस ऑपरेशन के दौरान दोनों अंतरिक्ष यात्री स्टेशन के जेड4 टूस सेगमेंट से पुराने एंटीना को हटाएंगे और उसकी जगह एक बाहरी प्लेटफॉर्म पर रखे स्पेयर यानी अतिरिक्त एंटीना को लगाएंगे। इस काम के लिए कई नाजुक इलेक्ट्रिकल और डेटा कनेक्शनों को कनेक्ट करना होगा, जिससे नए हार्डवेयर को ऑन किया जा सके। इस मिशन की सबसे मुख्य बात यह है कि अनिल मेनन स्पेस स्टेशन के बाहर काम करते समय कनाडाआर्म2 रोबोटिक आर्म पर सवार होंगे. इसकी सहायता से वह स्पेस स्टेशन के उस हिस्से तक पहुंचेंगे, जहां पहुंचना मुश्किल है।

सूखते तालाब ने उगला 10 करोड़ साल पुराना राज

बैंकाक। थाईलैंड के एक छोटे से गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब सूखते हुए तालाब के किनारे ग्रामीणों को कुछ अजीबोगरीब चट्टानें दिखाई दीं। शुरूआत में लोगों ने इसे मामूली पत्थर समझा, लेकिन जब वैज्ञानिकों की टीम ने इसकी जांच की तो उनके होश उड़ गए। यह कोई साधारण पत्थर नहीं, बल्कि 10 करोड़ साल पुराना एक विशालकाय डायनासोर का कंकाल था। वैज्ञानिकों ने इसे ‘नागाटाइटन चायफुमेंसिस’ नाम दिया है, जिसे दक्षिण पूर्व एशिया में अब तक खोजा गया सबसे बड़ा डायनासोर माना जा रहा है।

तालाब के किनारे छिपा था विशालकाय ढांचा : साल 2016 में जब थाईलैंड के चायफुम प्रांत में तालाब का पानी सूखा, तो किनारे पर कुछ भारी-भरकम पत्थर उभरे। वैज्ञानिक शोध के बाद यह साफ



होता था। अगर इसकी तुलना आज के जीवों से करें तो इसका वजन लगभग 9 एशियाई हाथियों के बराबर था। सिर से लेकर पूंछ तक इसकी लंबाई करीब 27 मीटर थी। हालांकि, यह दुनिया का सबसे बड़ा डायनासोर नहीं था, लेकिन दक्षिण पूर्व एशिया के इतिहास में इतना बड़ा शाकाहारी जीव पहले कभी नहीं देखा गया।

जब धरती पर इंसान का नामो-निशान नहीं था, तब भी मौजूद थे ये रंग-बिरंगे मेंढक!

नई दिल्ली। उत्तर भारत के हरे-भरे जंगल न केवल देखने में बेहद खूबसूरत हैं, बल्कि अपने आप में दुनियाभर की विविधता समेटे हुए हैं। अब वैज्ञानिकों ने इन जंगलों में मेंढकों (केस्केड फ्रॉग) की तीन नई प्रजातियों की खोज की है। ये खास मेंढक वहां पर तेज बहाव वाली नदियों और झरनों में पाए जाते हैं। इसके साथ ही भारत में पहली बार इस मेंढक की पांच अन्य प्रजातियों को भी दर्ज किया गया है।

मेंढकों की 3 नई प्रजातियों की हुई खोज : यह स्टडी दिल्ली यूनिवर्सिटी के पर्यावरण अध्ययन विभाग के प्रो. एस. डी. बीजू की अगुवाई में वैज्ञानिकों की टीम ने की। इसके लिए टीम ने उत्तर-पूर्वी राज्यों में 15 सालों से भी ज्यादा समय तक रिसर्च की, जिसके बाद यह खोज सामने आई. अब यह स्टडी ‘बुलेंटिन ऑफ द म्यूजियम ऑफ कंपैरेटिव जूलॉजी’ में प्रकाशित की गई है।

रिसर्च के दौरान वैज्ञानिकों ने नदी और झरनों के तेज बहाव में रहने वाले मेंढकों की 300 से ज्यादा आबादी का अध्ययन किया। इसके बाद उनकी डीएनए जांच और शारीरिक बनावट की तुलना की गई, जिसके बाद तीन नई प्रजातियों के होने की पुष्टि हुई।

केरल की समाजसेविका पर हुआ नामकरण : प्रो. एस. डी. बीजू ने जिन 3 प्रजातियों की खोज की, उनमें अम्माची केस्केड फ्रॉग त्रिपुरा की जमुई पहाड़ियों में मिली। बीजू की टीम ने इस प्रजाति का नामकरण केरल की समाज सेविका रहीं पद्मिनी वर्गीस के नाम पर किया। उन्होंने केरल में कई लोग ‘अम्माची’ (मां) कहकर पुकारते थे। इसी तरह दूसरी प्रजाति नागालैंड में खोजी गई, जिसका नाम सेंडेन्यु केस्केड फ्रॉग रखा गया। यह नाम वहां के स्थानीय ‘सेंडेन्यु गांव’ के नाम पर रखा गया। वहीं, मेंढकों की तीसरी प्रजाति पश्चिम बंगाल में पाई गई। इन मेंढकों के शरीर का रंग हरा मिला और उन पर पीले-हरे या लाल-भूरे रंग का प्राकृतिक डिजाइन बना था। जिसके चलते उसे ब्यूटीफुल केस्केड फ्रॉग नाम दिया गया।

3 करोड़ साल पुराना निकला मेंढकों का इतिहास

वैज्ञानिकों ने मेंढकों की इन तीनों प्रजातियों के बारे में और जानने का फैसला किया। इसके लिए उन्होंने मेंढकों के विकास को समझने के लिए उनके इवोल्यूशनरी हिस्ट्री को समझने के लिए डीएनए-बेस्ड डेटिंग की। इससे पता चला कि इन मेंढकों का इतिहास करीब 3 करोड़ साल पुराना है। ये मेंढक लगभग 3.2 करोड़ साल पहले (इओसीन-ओलिगोसीन काल के दौरान) अलग-अलग प्रजातियों में विकसित होने लगे थे। स्टडी में यह भी पता चला कि एशिया में इन मेंढकों का विकास पूर्व से पश्चिम की ओर कई चरणों में हुआ। हिमालय का शुरुआती निर्माण इनकी प्रजातियों के विकास और फैलाव का एक मुख्य कारक रहा।

हैदराबाद में जन्मे रोहन की दुनिया में चर्चा, ब्लैक होल स्टार से किया कमाल



वॉशिंगटन। पिछले हफ्ते खगोलविदों को एक ऐसी चीज मिली, जिसने उनकी इस बात को लेकर दिलचस्पी बढ़ा दी कि क्या वह कोई तारा था या ब्लैक होल। सौर मंडल के आकार की और गैस के बादल से घिरी यह चीज किसी भी ज्ञात तारे की तुलना में 100 अरब गुना ज्यादा ऊर्जा पैदा करती है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से देखकर खगोलविदों ने इसे ब्लैक होल स्टार का नाम दिया है। इस खोज के केंद्र में हैदराबाद में जन्मे खगोलविद रोहन नायडू हैं। रोहन ने ही इस स्टडी को लीड किया है। हैदराबाद में जन्मे खगोलशास्त्री रोहन नायडू ने अंतरिक्ष के प्रति अपने जुनून को पूरा करने के लिए कुछ साल पहले इंजीनियरिंग कॉलेज छोड़ दिया था। अब वह अपनी खोज के चलते दुनिया की नजर में हैं और तारीफें बटोर रहे हैं। उनकी यह स्टडी तारों और ब्लैक होल के व्यवहार के बारे में पारंपरिक विचारों को सीधेतौर पर चुनौती दे रही है।

क्या खोज की है?

नायडू उस टीम के मुख्य शोधकर्ता हैं, जिसने ब्लैक होल स्टार्स की पहचान की है। उन्होंने इसे असाधारण भौतिकी कहा है। डॉक्टर रोहन नायडू ने कहा कि हम एक नए प्रकार की एस्ट्रोफिजिकल वस्तु का अध्ययन करने के लिए उत्साहित हैं। इसमें अभी बहुत कुछ करना बाकी है। नायडू और उनकी टीम ने शुरुआती बल्मांड में एक असाधारण रूप से कमकदर लाल चीज की पहचान की। एमओएच-बीएच नाम की चीज का पता सेट्स या ट्वेल तारामंडल में चला, जो पृथ्वी से अरबों प्रकाश-वर्ष दूर है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह बिग बैंग के लगभग 660 मिलियन साल बाद अस्तित्व में आई थी।

इंसानियत अमी जिंदा है!

2 साल पहले खोया 24 हजार से भरा बैग, इमानदार कंडक्टर ने ऐसे लौटाया

मुंबई। पब्लिक बस में सफर के दौरान अगर कोई जरूरी सामान या पैसे छूट जाएं, तो ज्यादातर लोगों को यही लगता है कि अब वह सामान शायद कभी वापस नहीं मिलेगा, लेकिन महाराष्ट्र में एक बस कंडक्टर की ईमानदारी ने इस सोच को गलत साबित कर दिया। उन्होंने न सिर्फ दो साल तक एक बुजुर्ग महिला का खोया हुआ सामान संभालकर रखा, बल्कि लगातार उसकी असली मालिक की तलाश भी करते रहे। आखिरकार किस्मत ने दोनों को फिर उसी बस रूट पर मिला दिया और महिला को उसका खोया हुआ बैग वापस मिल गया। यह मामला कसाबाई गायकवाड़ का है, जो साल 2024 में छत्रपति संभाजीनगर से वाशिम के बीच बस से सफर कर रही थीं। सफर के दौरान उनका एक बैग बस में ही छूट गया। इस बैग में करीब 24 हजार रुपए थे। इसके अलावा उसमें उनके कुछ जरूरी मेडिकल दस्तावेज भी रखे हुए थे। बस से उतरने के बाद जब उन्हें अपने बैग के बारे में पता चला, तब तक काफी देर हो चुकी थी। गायकवाड़ ने मान लिया कि उनका पैसा और जरूरी कागजात अब शायद कभी वापस नहीं मिलेंगे। उन्हें क्या पता था कि उनका बैग किसी ऐसे शख्स के हाथ लगा है, जो उसे लौटाने के लिए पूरी ईमानदारी से कोशिश कर रहा है। बस के कंडक्टर राजू वाणी को वह बैग मिला था। बैग मिलने के बाद उन्होंने न सिर्फ उसे अपने पास रखने के बजाय तुरंत वाशिम बस डिपो में जमा करा दिया। लेकिन, उनकी जिम्मेदारी यहीं खत्म नहीं हुई। वाणी लगातार उस महिला की तलाश करते रहे, जिसकी चीजें उनके हाथ लगी थीं। करीब दो साल तक उन्होंने बैग के सही मालिक को ढूंढने की कोशिश जारी रखी। इतने लंबे समय के बाद शायद किसी और ने उम्मीद छोड़ दी होती, लेकिन वाणी ने ऐसा नहीं किया। वह लगातार इस इंतजार में थे कि किसी दिन उस बैग की मालकिन तक सामान पहुंचाया जा सके। फिर एक दिन अचानक ऐसा मौका आया, जिसकी शायद दोनों ने कल्पना भी नहीं की थी। गायकवाड़ दोबारा उसी बस रूट पर सफर कर रही थीं और संयोग से उस बस में कंडक्टर राजू वाणी ही ड्यूटी पर थे। जैसे ही वाणी ने उन्हें पहचाना, दो साल से संभालकर रखा गया सामान आखिरकार अपनी असली मालिक तक पहुंच गया।